फ्रांसीसी क्रांति

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» फ्रांसीसी समाज: अठारहवीं सदी के उत्तरार्ध में

प्रश्न 1 (आसान). फ्रांसीसी समाज कितने मुख्य एस्टेट्स में बँटा था?
उत्तर – फ्रांसीसी समाज तीन मुख्य एस्टेट्स में बँटा था।

प्रश्न 2 (आसान). किस एस्टेट के लोगों को जन्म से ही विशेषाधिकार प्राप्त थे?
उत्तर – पहले और दूसरे एस्टेट (पादरी वर्ग और कुलीन वर्ग) के लोगों को जन्म से ही विशेषाधिकार प्राप्त थे।

प्रश्न 3 (मध्यम). फ्रांस में 'प्राचीन राजतंत्र' का क्या अर्थ था?
उत्तर – 'प्राचीन राजतंत्र' पद का प्रयोग सन् 1789 से पहले के फ्रांसीसी समाज और उसकी संस्थाओं के लिए होता था।

प्रश्न 4 (कठिन). तीसरे एस्टेट में कौन-कौन से समूह शामिल थे और उनकी क्या प्रमुख समस्या थी?
उत्तर – तीसरे एस्टेट में किसान, कारीगर, छोटे किसान, भूमिहीन मजदूर, नौकर, बड़े व्यवसायी, व्यापारी, अदालती कर्मचारी, वकील आदि सभी शामिल थे। इनकी प्रमुख समस्या यह थी कि इन्हें कोई जन्मना विशेषाधिकार प्राप्त नहीं थे और राज्य के सभी करों का बोझ इन्हीं पर था, जबकि अन्य दो एस्टेट करों से मुक्त थे।

» जीने का संघर्ष और जीविका का संकट

प्रश्न 5 (आसान). फ्रांस में 1715 से 1789 के बीच जनसंख्या में कितनी वृद्धि हुई थी?
उत्तर – लगभग 50 लाख (2.3 करोड़ से 2.8 करोड़)

प्रश्न 6 (आसान). फ्रांसीसी लोगों का मुख्य भोजन क्या था, जिसकी कीमत बढ़ गई थी?
उत्तर – पावरोटी

प्रश्न 7 (मध्यम). जीविका के संकट का क्या अर्थ है और यह कैसे पैदा होता है?
उत्तर – जीविका का संकट ऐसी स्थिति है जब लोगों को अपनी बुनियादी ज़रूरतों, जैसे भोजन, को पूरा करने में भी अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। यह तब पैदा होता है जब खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जबकि लोगों की आय या मज़दूरी स्थिर रहती है, या प्राकृतिक आपदाएँ (जैसे सूखा) फसल को नुकसान पहुँचाती हैं।

प्रश्न 8 (कठिन). फ्रांसीसी क्रांति के दौरान 'जीविका का संकट' और 'असमानता' कैसे एक-दूसरे से जुड़े हुए थे?
उत्तर – जीविका का संकट (खाद्य पदार्थों की उच्च कीमतें और स्थिर मज़दूरी) ने तीसरे एस्टेट के गरीब लोगों के जीवन को असंभव बना दिया था, जबकि पहले दो एस्टेट्स के लोग इन समस्याओं से अप्रभावित थे। यह स्थिति सामाजिक और आर्थिक असमानता को और बढ़ा रही थी, जिससे आम जनता में गहरा असंतोष और गुस्सा पनपा, जिसने अंततः क्रांति को जन्म दिया।

» मध्य वर्ग का उदय और दार्शनिकों के विचार

प्रश्न 9 (आसान). मध्य वर्ग में कौन से लोग शामिल थे?
उत्तर – व्यापारी, वकील, प्रशासनिक सेवा के लोग, डॉक्टर, शिक्षक।

प्रश्न 10 (आसान). किस दार्शनिक ने सरकार के अंदर सत्ता के विभाजन का विचार दिया?
उत्तर – मॉन्टेस्क्यू।

प्रश्न 11 (मध्यम). जॉन लॉक और रूसो के विचारों में क्या समानता थी?
उत्तर – दोनों ही जन्मना विशेषाधिकारों के खिलाफ थे और एक ऐसे समाज की कल्पना करते थे जो स्वतंत्रता और समान अवसरों पर आधारित हो।

प्रश्न 12 (कठिन). दार्शनिकों के विचारों ने फ्रांसीसी क्रांति को कैसे प्रभावित किया?
उत्तर – दार्शनिकों ने राजा के दैवी अधिकारों का खंडन किया, लोगों के अधिकारों की बात की, और सरकार में सत्ता के बंटवारे का सुझाव दिया। उनके विचारों ने आम लोगों में जागरूकता फैलाई और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया, जिससे क्रांति को वैचारिक आधार मिला।

» क्रांति की शुरुआत: एस्टेट्स जेनरल और नेशनल असेंबली

प्रश्न 13 (आसान). एस्टेट्स जेनरल की बैठक किस तारीख को और किसने बुलाई थी?
उत्तर – 5 मई 1789 को, राजा लुई सोलहवें ने.

प्रश्न 14 (आसान). तीसरे एस्टेट के प्रतिनिधियों को बैठक में कहाँ बिठाया गया था?
उत्तर – उन्हें पीछे खड़ा किया गया था, जबकि पहले और दूसरे एस्टेट के प्रतिनिधि सामने बैठे थे.

प्रश्न 15 (मध्यम). एस्टेट्स जेनरल में मतदान के पुराने और नए प्रस्तावित नियम में क्या अंतर था? तीसरा एस्टेट कौन सा नियम चाहता था?
उत्तर – पुराना नियम था 'एक एस्टेट = एक वोट'. तीसरा एस्टेट 'एक व्यक्ति = एक वोट' का नियम चाहता था, ताकि हर प्रतिनिधि के वोट की कीमत बराबर हो.

प्रश्न 16 (कठिन). तीसरे एस्टेट ने टेनिस कोर्ट में क्या शपथ ली और इस शपथ का क्या महत्व था?
उत्तर – उन्होंने शपथ ली कि जब तक वे राजा की शक्तियों को कम करने वाला संविधान तैयार नहीं कर लेते, तब तक नेशनल असेंबली भंग नहीं होगी. इसका महत्व यह था कि उन्होंने खुद को पूरे फ्रांसीसी राष्ट्र का प्रवक्ता घोषित कर दिया और क्रांति की दिशा में पहला ठोस कदम उठाया.

» बास्तील का ध्वंस और ग्रामीण विद्रोह

प्रश्न 17 (आसान). 14 जुलाई 1789 को फ्रांसीसी लोगों ने किस किले पर हमला किया था?
उत्तर – बास्तील का किला

प्रश्न 18 (आसान). ग्रामीण विद्रोह के दौरान किसानों ने मुख्य रूप से क्या किया?
उत्तर – उन्होंने जागीरदारों के किलों को लूटा और लगान के दस्तावेज़ जलाए।

प्रश्न 19 (मध्यम). बास्तील का किला फ्रांसीसी लोगों के लिए किसका प्रतीक था?
उत्तर – यह राजा की निरंकुश और तानाशाही शक्ति का प्रतीक था।

प्रश्न 20 (कठिन). बास्तील के ध्वंस और ग्रामीण विद्रोह का फ्रांसीसी राजा लुई सोलहवें पर क्या तात्कालिक प्रभाव पड़ा?
उत्तर – लुई सोलहवें को नेशनल असेंबली को मान्यता देनी पड़ी और यह स्वीकार करना पड़ा कि अब उसकी सत्ता पर संविधान का अंकुश होगा।

» फ्रांस संवैधानिक राजतंत्रा बन गया (1791)

प्रश्न 21 (आसान). फ्रांस का संविधान किस वर्ष बना?
उत्तर – 1791 में।

प्रश्न 22 (आसान). संवैधानिक राजतंत्र में राजा की शक्तियां कैसी होती हैं?
उत्तर – सीमित।

प्रश्न 23 (मध्यम). 1791 के संविधान ने शक्तियों को किन तीन मुख्य भागों में बांटा?
उत्तर – विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका।

प्रश्न 24 (कठिन). संवैधानिक राजतंत्र का क्या अर्थ है और यह निरंकुश राजतंत्र से कैसे भिन्न है?
उत्तर – संवैधानिक राजतंत्र में राजा तो होता है, पर उसकी शक्तियां संविधान के नियमों से बंधी होती हैं। जबकि निरंकुश राजतंत्र में राजा की शक्तियां असीमित होती हैं और वह मनमानी करता है।

» राजनीतिक प्रतीकों के मायने

प्रश्न 25 (आसान). ज्ञान और अज्ञान के अंधेरे को मिटाने का प्रतीक क्या था?
उत्तर – त्रिभुज के अंदर रोशनी बिखेरती आँख

प्रश्न 26 (आसान). शाही सत्ता का प्रतीक कौन सा था?
उत्तर – राजदंड

प्रश्न 27 (मध्यम). दासता से मुक्ति का प्रतीक कौन सा था और क्यों?
उत्तर – टूटी हुई ज़ंजीर, क्योंकि ज़ंजीर दासों को बांधने के लिए इस्तेमाल होती थी और उसके टूटने का मतलब था आज़ादी।

प्रश्न 28 (कठिन). एक प्रतीक है 'लाल फ्रिजियन टोपी'। यह किसका प्रतीक थी और इसे कौन पहनता था?
उत्तर – यह आज़ादी का प्रतीक थी और इसे वे दास पहनते थे जो आज़ाद हो जाते थे।

» राजतंत्र का उन्मूलन और गणतंत्र की स्थापना (जैकोबिन क्लब)

प्रश्न 29 (आसान). जैकोबिन क्लब का नेता कौन था?
उत्तर – मैक्समिलियन रोबेस्प्येर

प्रश्न 30 (आसान). 'सौं वुफलॉत' का शाब्दिक अर्थ क्या है?
उत्तर – बिना घुटन्ने वाले

प्रश्न 31 (मध्यम). जैकोबिनों ने किस साल राजा को बंदी बनाकर फ्रांस को गणतंत्र घोषित किया?
उत्तर – 1792

प्रश्न 32 (कठिन). जैकोबिनों का 'सौं वुफलॉत' की पहचान अपनाने का क्या महत्व था?
उत्तर – यह कुलीन वर्ग (जो घुटने तक ब्रीचेस पहनते थे) से खुद को अलग करने और उनकी सत्ता समाप्ति का एक प्रतीक था, जिससे समाज में समानता का संदेश गया।

» आतंक राज (1793-1794)

प्रश्न 33 (आसान). फ्रांस में आतंक राज किस वर्ष से किस वर्ष तक रहा?
उत्तर – 1793 से 1794 तक।

प्रश्न 34 (आसान). गिलोटिन क्या था?
उत्तर – यह दो खंभों के बीच लटकते आरे वाली एक मशीन थी, जिससे अपराधी का सिर धड़ से अलग किया जाता था।

प्रश्न 35 (मध्यम). आतंक राज के दौरान रोबेस्प्येर ने गणतंत्र के शत्रुओं के साथ कैसा व्यवहार किया?
उत्तर – उन्हें गिरफ़्तार कर जेल में डाला जाता था और क्रांतिकारी न्यायालय द्वारा दोषी पाए जाने पर गिलोटिन पर चढ़ा दिया जाता था।

प्रश्न 36 (कठिन). रोबेस्प्येर की किन नीतियों के कारण उसके अपने समर्थक भी उसके ख़िलाफ़ हो गए?
उत्तर – उसने अपनी नीतियों को इतनी सख्ती से लागू किया कि उसके अपने समर्थक भी दमनकारी माहौल से त्रस्त हो गए, जिसके कारण अंततः उसे भी गिलोटिन पर चढ़ा दिया गया।

» डिरेक्ट्री शासित फ्रांस और नेपोलियन का उदय

प्रश्न 37 (आसान). डिरेक्ट्री में कितने सदस्य थे?
उत्तर – पांच

प्रश्न 38 (आसान). जैकोबिन सरकार के बाद सत्ता किसके हाथ में आई?
उत्तर – मध्य वर्ग के संपन्न लोगों के हाथ में।

प्रश्न 39 (मध्यम). डिरेक्ट्री शासन की अस्थिरता का मुख्य कारण क्या था?
उत्तर – डिरेक्टरों और विधान परिषदों के बीच लगातार होने वाले झगड़े और मतभेद।

प्रश्न 40 (कठिन). डिरेक्ट्री शासन ने नेपोलियन बोनापार्ट के उदय का मार्ग कैसे प्रशस्त किया?
उत्तर – डिरेक्ट्री की राजनीतिक अस्थिरता और आपसी झगड़ों के कारण सरकार कमजोर पड़ गई। इस कमजोरी का फायदा उठाकर नेपोलियन बोनापार्ट जैसे एक कुशल सेनापति ने सैनिक तानाशाह के रूप में सत्ता हथिया ली।

» महिलाओं के लिए क्रांति: भागीदारी और चुनौतियाँ

प्रश्न 41 (आसान). फ्रांसीसी क्रांति में महिलाओं द्वारा बनाए गए सबसे प्रसिद्ध क्लब का नाम क्या था?
उत्तर – द सोसाइटी ऑफ रेवोल्यूशनरी एंड रिपब्लिकन वीमेन

प्रश्न 42 (आसान). महिलाओं की सबसे प्रमुख राजनीतिक मांग क्या थी?
उत्तर – मताधिकार (वोट डालने का अधिकार) और राजनीतिक पदों पर चुने जाने का अधिकार।

प्रश्न 43 (मध्यम). आतंक राज के दौरान महिलाओं के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – आतंक राज के दौरान, सरकार ने महिला क्लबों को बंद कर दिया और उनकी राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया। कई जानी-मानी महिलाओं को गिरफ्तार कर फाँसी दे दी गई।

प्रश्न 44 (कठिन). महिलाओं को फ्रांस में अंततः मताधिकार कब प्राप्त हुआ और इस संघर्ष का महत्व क्या था?
उत्तर – फ्रांस की महिलाओं को अंततः सन् 1946 में मताधिकार हासिल हुआ। इस संघर्ष का महत्व यह था कि फ्रांसीसी महिलाओं की राजनीतिक सक्रियता ने अगली सदी के अंतर्राष्ट्रीय मताधिकार आंदोलन को प्रेरित किया और यह समानता के लिए एक लंबा और महत्वपूर्ण संघर्ष था।

» दास प्रथा का उन्मूलन

प्रश्न 45 (आसान). फ्रांसीसी क्रांति के समय किन उपनिवेशों में दास प्रथा मुख्य रूप से प्रचलित थी?
उत्तर – कैरिबियाई उपनिवेश जैसे मार्टिनिक, ग्वाडेलोप और सैन डोमिंगो।

प्रश्न 46 (आसान). किस फ्रांसीसी शासक ने दास प्रथा को फिर से शुरू कर दिया था?
उत्तर – नेपोलियन बोनापार्ट ने।

प्रश्न 47 (मध्यम). दास प्रथा के उन्मूलन में जैकोबिन शासन की क्या भूमिका थी?
उत्तर – जैकोबिन शासन के तहत 1794 के कन्वेंशन ने फ्रांसीसी उपनिवेशों में सभी दासों की मुक्ति का कानून पारित किया।

प्रश्न 48 (कठिन). अठारहवीं सदी में फ्रांस में दास प्रथा के प्रति लोगों का क्या रुख था, और नेशनल असेंबली ने इस पर तुरंत कोई कानून क्यों नहीं बनाया?
उत्तर – अठारहवीं सदी में फ्रांस में दास प्रथा की ज़्यादा निंदा नहीं हुई। नेशनल असेंबली में इस पर लंबी बहस हुई, लेकिन दास-व्यापार पर निर्भर व्यापारियों के विरोध के डर से कोई कानून पारित नहीं किया गया।

» क्रांति और रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रभाव

प्रश्न 49 (आसान). फ्रांसीसी क्रांति के बाद किस महत्वपूर्ण कानून ने लोगों के जीवन को सबसे अधिक प्रभावित किया?
उत्तर – सेंसरशिप की समाप्ति

प्रश्न 50 (आसान). क्रांति से पहले राजा के अधिकारी किन चीज़ों को प्रकाशित करने से पहले जाँचते थे?
उत्तर – किताबें, अखबार, नाटक और सभी लिखित सामग्री

प्रश्न 51 (मध्यम). 'अधिकारों के घोषणापत्र' ने किस अधिकार को 'प्राकृतिक अधिकार' घोषित किया?
उत्तर – भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

प्रश्न 52 (कठिन). क्रांति के बाद जनसंचार माध्यमों (जैसे अखबार, नाटक) में वृद्धि का क्या महत्व था, खासकर उन लोगों के लिए जो पढ़ना नहीं जानते थे?
उत्तर – इससे अनपढ़ लोग भी नाटकों, गीतों और जुलूसों के माध्यम से स्वतंत्रता और न्याय के विचारों को समझ पाए, क्योंकि ये तरीके उन्हें किताबों से ज्यादा आसानी से जोड़ते थे।

» नेपोलियन बोनापार्ट और क्रांति की विरासत

प्रश्न 53 (आसान). नेपोलियन फ्रांस का सम्राट कब बना?
उत्तर – 1804 में।

प्रश्न 54 (आसान). नेपोलियन ने कौन सी नाप-तौल प्रणाली शुरू की?
उत्तर – दशमलव प्रणाली।

प्रश्न 55 (मध्यम). नेपोलियन को शुरू में मुक्तिदाता क्यों माना गया?
उत्तर – क्योंकि उसने क्रांति के स्वतंत्रता और समानता के विचारों को दूसरे देशों में फैलाया और आधुनिकीकरण के उपाय किए।

प्रश्न 56 (कठिन). नेपोलियन की हार के बावजूद, फ्रांसीसी क्रांति के किन विचारों का असर यूरोप में बना रहा?
उत्तर – स्वतंत्रता और जनवादी अधिकारों के विचार। इन विचारों ने सामंती व्यवस्था को ख़त्म किया और उपनिवेशों को प्रेरणा दी।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. फ्रांसीसी समाज में 'प्राचीन राजतंत्र' का क्या अर्थ था और समाज कितने एस्टेट्स में विभाजित था?

› पहला, 'प्राचीन राजतंत्र' शब्द का प्रयोग सन् 1789 से पहले के फ्रांसीसी समाज और उसकी व्यवस्थाओं के लिए होता था।

› दूसरा, इस समय फ्रांसीसी समाज मुख्य रूप से तीन एस्टेट्स में बँटा हुआ था।

› तीसरा, ये एस्टेट्स थे: पहला एस्टेट (पादरी वर्ग), दूसरा एस्टेट (कुलीन वर्ग), और तीसरा एस्टेट (आम जनता, जिसमें किसान, कारीगर, व्यापारी, वकील आदि सभी शामिल थे)।

› चौथा, पहले दो एस्टेट्स को जन्म से ही कई विशेषाधिकार प्राप्त थे, जैसे करों से छूट। जबकि तीसरे एस्टेट के सभी लोगों को कर चुकाने पड़ते थे।

उत्तर – प्राचीन राजतंत्र सन् 1789 से पहले के फ्रांसीसी समाज को संदर्भित करता है। यह समाज पादरी वर्ग, कुलीन वर्ग और तीसरे एस्टेट (आम जनता) इन तीन मुख्य एस्टेट्स में विभाजित था।

उदाहरण 2. फ्रांस में 'जीविका का संकट' किस प्रकार उत्पन्न हुआ और इसने लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

› पहला कदम: बढ़ती जनसंख्या को समझो। सन् 1715 से 1789 तक फ्रांस की जनसंख्या 2.3 करोड़ से बढ़कर 2.8 करोड़ हो गई। इतनी बढ़ती आबादी के लिए अनाज की मांग भी बहुत बढ़ गई थी।

› दूसरा कदम: उत्पादन और मूल्य वृद्धि को देखो। अनाज का उत्पादन मांग के हिसाब से नहीं बढ़ पा रहा था। इससे पावरोटी जो लोगों का मुख्य भोजन था, उसकी कीमतें बहुत तेज़ी से बढ़ गईं।

› तीसरा कदम: मज़दूरी और क्रय शक्ति पर असर। ज़्यादातर मज़दूर कारखानों में काम करते थे और उनकी मज़दूरी मालिक तय करते थे। लेकिन मज़दूरी महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़ी।

› चौथा कदम: अमीर-गरीब का फासला। जब कीमतें बढ़ीं और मज़दूरी नहीं बढ़ी, तो गरीब और गरीब होते गए। अमीर लोग फिर भी जी रहे थे, लेकिन गरीबों के लिए तो खाने-पीने का भी संकट आ गया।

› पांचवां कदम: सूखा या ओले का प्रभाव। अगर कभी सूखा पड़ जाए या ओले गिर जाएं तो फसल और खराब हो जाती थी, जिससे यह संकट और भी गहरा हो जाता था।

› छठा कदम: जीने का संघर्ष। इसका नतीजा यह हुआ कि लोगों के पास अपना पेट भरने के लिए पैसे नहीं बचते थे। उन्हें अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए भी बहुत संघर्ष करना पड़ता था, जो क्रांति का एक बड़ा कारण बना।

उत्तर – फ्रांस में बढ़ती जनसंख्या के कारण अनाज की मांग बढ़ी, लेकिन उत्पादन नहीं। इससे पावरोटी जैसी मुख्य खाद्य वस्तुओं की कीमतें आसमान छू गईं, जबकि मज़दूरों की मज़दूरी नहीं बढ़ी। सूखे या ओले पड़ने पर स्थिति और बदतर हो जाती थी। इस कारण आम लोगों के लिए रोज़ाना का जीवनयापन एक बड़ा संघर्ष बन गया, जिसे 'जीविका का संकट' कहते हैं, और इसी ने क्रांति की आग को और भड़काया।

उदाहरण 3. फ्रांसीसी क्रांति के दौरान जॉन लॉक ने किस महत्वपूर्ण सिद्धांत का खंडन किया था?

› पहले दार्शनिक जॉन लॉक का नाम देखें।

› याद करें कि उन्होंने 'टू ट्रीटाइशेस ऑफ गवर्नमेंट' किताब में क्या लिखा था।

› उसमें उन्होंने राजा के 'दैवी और निरंकुश अधिकारों' के सिद्धांत को चुनौती दी थी।

› इसका मतलब है कि उन्होंने कहा था कि राजा को भगवान ने राज करने का अधिकार नहीं दिया है और वह अपनी मर्जी से कुछ भी नहीं कर सकता।

उत्तर – जॉन लॉक ने राजा के 'दैवी और निरंकुश अधिकारों' के सिद्धांत का खंडन किया था।

उदाहरण 4. एस्टेट्स जेनरल की बैठक में तीसरे एस्टेट ने किस मुख्य नियम में बदलाव की मांग की और क्यों?

› पहला कदम: हमें समझना होगा कि एस्टेट्स जेनरल में वोटिंग का पुराना नियम क्या था. पुराने नियम के अनुसार, हर एस्टेट को एक वोट देने का अधिकार था, चाहे उसके कितने भी प्रतिनिधि हों.

› दूसरा कदम: अब सोचो, अगर पादरी (पहला एस्टेट) और कुलीन (दूसरा एस्टेट) दोनों मिलकर वोट देते तो उनके 2 वोट हो जाते, और तीसरा एस्टेट अकेले 1 वोट दे पाता. ऐसे में राजा की बात हमेशा मान ली जाती, क्योंकि पहले और दूसरे एस्टेट राजा के साथ ही होते थे.

› तीसरा कदम: इसलिए, तीसरे एस्टेट के प्रतिनिधियों ने मांग की कि 'अबकी बार पूरी सभा द्वारा मतदान कराया जाना चाहिए, जिसमें प्रत्येक सदस्य को एक मत देने का अधिकार होगा.'

› चौथा कदम: उन्होंने यह बदलाव इसलिए मांगा ताकि सभी प्रतिनिधियों की बात सुनी जा सके और राजा मनमानी न कर पाए, क्योंकि इस तरह सभी की गिनती होती, न कि सिर्फ एस्टेट की.

› पांचवां कदम: यह एक लोकतांत्रिक सिद्धांत था, जैसा कि रूसो ने 'द सोशल कॉन्ट्रैक्ट' में बताया था.

उत्तर – तीसरे एस्टेट ने 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत पर मतदान की मांग की, ताकि राजा नए करों पर अपनी मनमर्जी न चला सके और सभी लोगों की आवाज़ सुनी जा सके, न कि केवल विशेष वर्गों की.

उदाहरण 5. फ्रांसीसी क्रांति में 14 जुलाई 1789 की घटना का क्या महत्व था?

› सबसे पहले, यह समझना ज़रूरी है कि 14 जुलाई 1789 को पेरिस में लोगों की गुस्साई भीड़ ने बास्तील के किले पर धावा बोल दिया था।

› बास्तील का किला राजा की निरंकुश शक्ति का प्रतीक था, क्योंकि वहाँ राजनीतिक कैदियों को रखा जाता था और उसे तोड़ने का मतलब था राजा की तानाशाही को चुनौती देना।

› इस घटना के बाद, पूरे ग्रामीण इलाकों में भी किसानों का विद्रोह फैल गया, जहाँ उन्होंने जागीरदारों के किलों को लूटा और लगान के दस्तावेज़ों को जला दिया।

› इन घटनाओं ने राजा लुई सोलहवें पर इतना दबाव बनाया कि उन्हें अंततः नेशनल असेंबली को मान्यता देनी पड़ी और यह भी स्वीकार करना पड़ा कि अब उसकी शक्ति पर संविधान का अंकुश होगा।

उत्तर – 14 जुलाई 1789 को बास्तील का ध्वंस और उसके बाद ग्रामीण विद्रोह ने फ्रांसीसी क्रांति को एक निर्णायक मोड़ दिया। इसने राजा की निरंकुश सत्ता को चुनौती दी, जनता की शक्ति का प्रदर्शन किया और लुई सोलहवें को नेशनल असेंबली की मांगों को स्वीकार करने के लिए विवश किया, जिससे संवैधानिक राजतंत्र की ओर पहला कदम बढ़ा।

उदाहरण 6. 1791 के संविधान का मुख्य उद्देश्य क्या था और शक्तियों को कैसे बांटा गया?

› 1791 के संविधान का मुख्य उद्देश्य सम्राट (राजा) की शक्तियों को सीमित करना था।

› पहले सारी शक्तियाँ एक व्यक्ति (सम्राट) के हाथ में केंद्रित थीं।

› इन शक्तियों को अब तीन अलग-अलग संस्थाओं में विभाजित कर दिया गया:

› 1. विधायिका (कानून बनाने वाली)

› 2. कार्यपालिका (कानून लागू करने वाली)

› 3. न्यायपालिका (न्याय करने वाली)।

› इस बँटवारे से फ्रांस में संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई।

उत्तर – 1791 के संविधान का मुख्य उद्देश्य सम्राट की शक्तियों को सीमित करना था। इसके लिए शक्तियों को विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में विभाजित किया गया।

उदाहरण 7. फ्रांसीसी क्रांति के दौरान 'एकता में बल' को दर्शाने के लिए किस प्रतीक का इस्तेमाल किया जाता था?

› पहले सोचो, 'एकता' मतलब क्या? जब सब एक साथ हों।

› और 'बल' मतलब ताकत।

› अब उन प्रतीकों को याद करो, जिनमें अलग-अलग चीज़ें मिलकर ताकतवर बन रही हों।

› याद आया, एक अकेली छड़ को तो कोई भी तोड़ सकता है, लेकिन अगर बहुत सारी छड़ें एक साथ हों, तो उन्हें तोड़ना बहुत मुश्किल होता है।

› तो 'छड़ों का बर्छीदार गट्ठर' ही वह प्रतीक है जो 'एकता में बल' को दिखाता है।

उत्तर – छड़ों का बर्छीदार गट्ठर।

उदाहरण 8. फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन करके गणतंत्र की स्थापना में जैकोबिन क्लब की क्या भूमिका थी?

› पहला कदम: जैकोबिन क्लब का उदय और उनका समाज के कम समृद्ध वर्ग (छोटे दुकानदार, कारीगर) से आना। उनका नेता मैक्समिलियन रोबेस्प्येर था।

› दूसरा कदम: 'सौं वुफलॉत' के रूप में अपनी पहचान बनाना–धारीदार लंबी पतलून और लाल टोपी पहनना, जो कुलीनों से अलग दिखने का प्रतीक था।

› तीसरा कदम: 1792 की गर्मियों में खाद्य पदार्थों की महंगाई और कमी से नाराज पेरिसवासियों को संगठित करके महल पर हमला करना, राजा को बंधक बनाना।

› चौथा कदम: असेंबली द्वारा शाही परिवार को जेल में डालने का प्रस्ताव पारित कराना और नए चुनाव कराना, जिसमें 21 वर्ष से अधिक उम्र के सभी पुरुषों को वोट का अधिकार मिला।

› पांचवां कदम: नई असेंबली (कन्वेंशन) द्वारा 21 सितंबर 1792 को राजतंत्र को समाप्त कर फ्रांस को एक गणतंत्र घोषित करना, जहाँ शासक का चुनाव जनता करती है।

› छठा कदम: राजा लुई XVI को देशद्रोह के आरोप में मृत्युदंड दिया जाना, जिससे राजशाही का पूरी तरह अंत हुआ।

उत्तर – जैकोबिन क्लब ने गरीबों को संगठित किया, अपनी विशेष पहचान 'सौं वुफलॉत' बनाई, राजा के खिलाफ़ विद्रोह का नेतृत्व किया, और अंततः फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन कर गणतंत्र की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उदाहरण 9. आतंक राज के दौरान फ्रांसीसी सरकार ने किन प्रमुख सामाजिक और आर्थिक सुधारों को लागू किया?

› रोबेस्प्येर की सरकार ने मज़दूरी और कीमतों की अधिकतम सीमा तय कर दी थी, ताकि चीजें बहुत महंगी न हों।

› गोश्त (मांस) और पावरोटी (ब्रेड) जैसी ज़रूरी चीज़ों की राशनिंग की गई, यानी लोगों को एक तय मात्रा में ही ये चीजें मिलती थीं, ताकि सबको मिले।

› किसानों को अपना अनाज शहरों में सरकार द्वारा तय कीमत पर बेचने के लिए मजबूर किया गया।

› सभी के लिए 'समता रोटी' खाना अनिवार्य कर दिया गया था, जो साबुत गेहूँ से बनती थी और बराबरी का प्रतीक मानी जाती थी। महंगे सफ़ेद आटे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई।

› बोलचाल में 'महाशय' (मॉन्स्यूर) और 'महोदया' (मदाम) की जगह सभी को 'नागरिक' (सितोयेन) और 'नागरिका' (सितोयीन) कहकर संबोधित किया जाने लगा, बराबरी दिखाने के लिए।

› चर्चों को बंद करके उनके भवनों को बैरक (सैनिकों के रहने की जगह) या दफ़्तर बना दिया गया।

उत्तर – आतंक राज में सरकार ने मज़दूरी-कीमत की सीमा तय की, राशनिंग लागू की, किसानों को अनाज बेचने पर मजबूर

किया, 'समता रोटी' अनिवार्य की, संबोधन में समानता लाई, और चर्चों को बंद कर दिया।

उदाहरण 10. जैकोबिन सरकार के बाद फ्रांस में स्थापित 'डिरेक्ट्री' शासन की प्रमुख विशेषताएं क्या थीं और इसने नेपोलियन के उदय का मार्ग कैसे प्रशस्त किया?

› सबसे पहले, जैकोबिन सरकार के पतन के बाद, मध्य वर्ग के संपन्न लोगों के हाथ में सत्ता आ गई।

› उन्होंने एक नया संविधान बनाया। इस नए संविधान की एक बड़ी बात यह थी कि अब उन लोगों को वोट डालने का अधिकार नहीं था जिनके पास संपत्ति नहीं थी। यानी, पहले से ज़्यादा लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया गया था।

› इस संविधान ने दो चुनी हुई विधान परिषदों की स्थापना की। इन परिषदों ने मिलकर पांच सदस्यों वाली एक कार्यपालिका बनाई, जिसे 'डिरेक्ट्री' कहा गया।

› डिरेक्ट्री बनाने का मुख्य मकसद जैकोबिन शासन जैसी 'एक व्यक्ति' केंद्रित सरकार से बचना था। वो नहीं चाहते थे कि कोई एक व्यक्ति रोबेस्प्येर की तरह सारी ताकत अपने हाथ में ले ले।

› लेकिन, यह डिरेक्ट्री बहुत अस्थिर थी। इन पांचों डायरेक्टर्स (निदेशकों) के बीच अक्सर विधान परिषदों से झगड़े होते रहते थे। परिषदों को लगता था कि डिरेक्ट्री सही काम नहीं कर रही है, और वे उन्हें हटाने की कोशिश करती थीं।

› इस राजनीतिक अस्थिरता, यानी सरकार में लगातार होने वाले झगड़ों और कमजोरियों ने एक सैनिक तानाशाह, नेपोलियन बोनापार्ट, के उदय का रास्ता खोल दिया। जब सरकार ही अंदर से मजबूत नहीं होती, तो कोई मजबूत व्यक्ति बाहर से आकर सत्ता पर कब्ज़ा कर लेता है।

› नेपोलियन एक योग्य सेनापति था जिसने इन कमजोरियों का फायदा उठाया और आखिरकार सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया।

उत्तर – डिरेक्ट्री शासन की मुख्य विशेषताएं संपत्तिहीन लोगों को मताधिकार से वंचित करना और पांच सदस्यीय कार्यपालिका (डिरेक्ट्री) की स्थापना थीं। इसकी अंदरूनी कलह और राजनीतिक अस्थिरता ने नेपोलियन बोनापार्ट जैसे शक्तिशाली सैनिक नेता को सत्ता में आने का अवसर दिया।

उदाहरण 11. फ्रांसीसी क्रांति के दौरान महिलाओं की मुख्य माँगें क्या थीं और क्रांतिकारी सरकार ने उनके जीवन में सुधार के लिए क्या प्रारंभिक कदम उठाए?

› पहला कदम, महिलाओं ने पुरुषों के समान राजनीतिक अधिकार माँगे। उनका सबसे बड़ा मुद्दा था 'मताधिकार', यानी वोट डालने का अधिकार, और ये कि उन्हें असेंबली में चुना जा सके, बड़े सरकारी पदों पर काम करने का मौका मिले।

› दूसरा, उन्होंने अपने हितों के लिए 'महिला क्लब' बनाए, जैसे 'द सोसाइटी ऑफ रेवोल्यूशनरी एंड रिपब्लिकन वीमेन', ताकि वो अपनी बात एक साथ रख सकें और अखबार भी निकाले।

› तीसरा, शुरुआत में क्रांतिकारी सरकार ने कुछ अच्छे कदम भी उठाए। जैसे, लड़कियों के लिए सरकारी स्कूलों में पढ़ाई अनिवार्य कर दी गई।

› चौथा, अब पिता अपनी मर्जी से लड़कियों की शादी नहीं करा सकते थे, यानी शादी को एक आपसी सहमति वाला फैसला माना गया।

› पांचवां, तलाक को कानूनी बना दिया गया, और मर्द-औरत दोनों को तलाक के लिए अर्जी देने का हक मिला। महिलाएं अब ट्रेनिंग लेकर छोटे-मोटे व्यापार भी कर सकती थीं।

› लेकिन, आतंक राज के दौरान उनके क्लबों को बंद कर दिया गया और कई महिलाओं को फाँसी भी दी गई।

उत्तर – महिलाओं की मुख्य माँगें पुरुषों के समान राजनीतिक अधिकार और मताधिकार थीं। सरकार ने शुरुआती कदम के तौर पर लड़कियों के लिए अनिवार्य शिक्षा, विवाह को स्वैच्छिक अनुबंध बनाना, और तलाक को कानूनी मान्यता देना शामिल था। हालाँकि, आतंक राज में उन्हें कई प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा।

उदाहरण 12. फ्रांसीसी उपनिवेशों में त्रिकोणीय दास-व्यापार कैसे चलता था?

› सबसे पहले, फ्रांसीसी व्यापारी अपने जहाज़ यूरोप के बोर्दे या नान्ते जैसे बंदरगाहों से अफ्रीका के तट पर ले जाते थे।

› वहां वे स्थानीय अफ्रीकी सरदारों से 'दास' यानी गुलाम खरीदते थे।

› इन गुलामों को दागकर और हथकड़ियाँ लगाकर जहाज़ों में ठूँस दिया जाता था, और फिर अटलांटिक महासागर पार करके कैरिबियाई उपनिवेशों (जैसे मार्टिनिक, ग्वाडेलोप) तक तीन महीने की लंबी समुद्री यात्रा पर ले जाया जाता था।

› कैरिबियाई देशों में पहुँचने के बाद, इन दासों को बागान-मालिकों को बेच दिया जाता था, जहाँ उनसे तंबाकू, नील, चीनी और कॉफी के बागानों में ज़बरदस्ती काम करवाया जाता था।

उत्तर – इस तरह, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका (कैरिबियाई उपनिवेश) के बीच त्रिकोणीय दास-व्यापार चलता था, जिससे फ्रांसीसी उपनिवेशों में श्रम की कमी को पूरा किया जाता था।

उदाहरण 13. क्रांति से पहले फ्रांस में 'सेंसरशिप' कैसे काम करती थी और क्रांति के बाद इसमें क्या बदलाव आया?

› क्रांति से पहले (प्राचीन राजतंत्र): राजा के अधिकारी किताबों, अखबारों, नाटकों जैसी सभी लिखित और सांस्कृतिक चीज़ों को प्रकाशित या मंचित करने से पहले जाँचते थे।

› अगर उन्हें लगता था कि इसमें राजा या सरकार के खिलाफ कुछ है, तो उसे अनुमति नहीं मिलती थी।

› क्रांति के बाद (1789 में सेंसरशिप समाप्त): 'अधिकारों के घोषणापत्र' ने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को एक 'प्राकृतिक अधिकार' घोषित कर दिया।

› इसका मतलब था कि अब कोई भी अपनी बात, अपने विचार, बिना किसी रोक-टोक के अखबारों, किताबों या नाटकों के ज़रिए लोगों तक पहुँचा सकता था।

› फ्रांस के शहरों और गाँवों में अखबारों, पर्चों और छपी हुई तस्वीरों की बाढ़ आ गई, जिससे लोगों को घटनाओं और विचारों की जानकारी मिली।

उत्तर – क्रांति से पहले सेंसरशिप का मतलब था कि सरकार की अनुमति के बिना कुछ भी प्रकाशित या मंचित नहीं हो सकता था। क्रांति के बाद, 1789 में सेंसरशिप खत्म हो गई और लोगों को भाषण व अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता मिली, जिससे वे अपने विचार खुलकर व्यक्त कर पाए।

उदाहरण 14. नेपोलियन बोनापार्ट ने फ्रांसीसी क्रांति की विरासत को कैसे आगे बढ़ाया और उसकी हार का क्या परिणाम हुआ?

› पहला कदम: समझना कि नेपोलियन 1804 में फ्रांस का सम्राट बना। उसने क्रांति के कई आदर्शों, जैसे समानता, को पूरे यूरोप में फैलाने की कोशिश की।

› दूसरा कदम: उसके आधुनिकीकरण के उपायों को जानना। उसने निजी संपत्ति की सुरक्षा के लिए कानून बनाए, पूरे यूरोप में नाप-तौल की एक जैसी दशमलव प्रणाली लागू की। ये सब क्रांति के स्वतंत्रता और समानता के विचारों को ही आगे बढ़ाना था।

› तीसरा कदम: यह देखना कि शुरू में उसे मुक्तिदाता माना गया, पर बाद में जब उसकी सेनाएँ दूसरे देशों पर हमला करने लगीं, तो लोग उसे हमलावर मानने लगे।

› चौथा कदम: उसकी हार को समझना। 1815 में वाटरलू में नेपोलियन हार गया।

› पांचवा कदम: उसकी विरासत। उसकी हार के बाद भी, स्वतंत्रता और जनवादी अधिकारों के जो विचार उसने यूरोप में फैलाए थे, वो लोगों के दिमाग से नहीं निकले। इन विचारों ने सामंती व्यवस्था को ख़त्म करने में मदद की और उपनिवेशों को आज़ादी की प्रेरणा दी। टीपू सुल्तान और राजा राममोहन राय जैसे भारतीय नेताओं ने भी इन विचारों से प्रेरणा ली।

उत्तर – नेपोलियन ने सम्राट बनकर भी फ्रांसीसी क्रांति के स्वतंत्रता और समानता के विचारों को अपने आधुनिकीकरण के उपायों (निजी संपत्ति कानून, समान नाप-तौल) से पूरे यूरोप में फैलाया। हालाँकि उसकी सेनाओं को बाद में हमलावर माना गया और 1815 में वाटरलू में उसकी हार हुई, लेकिन उसके द्वारा फैलाए गए जनवादी अधिकार और स्वतंत्रता के विचार बाद में पूरे यूरोप और उपनिवेशों में सामंती व्यवस्था को खत्म करने और आज़ादी के आंदोलनों के लिए प्रेरणा बने।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'प्राचीन राजतंत्र' की परिभाषा, तीनों एस्टेट्स के नाम, और उनके बीच विशेषाधिकारों और करों के अंतर को अच्छे से याद कर लेना। चित्र 2 (एस्टेट्स का समाज) को भी ध्यान से समझना।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है! 'जीविका का संकट' पर अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं, इसलिए इसके कारणों और प्रभावों को अच्छे से समझना और याद रखना।

• यह भाग बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दार्शनिकों के नाम और उनके मुख्य विचारों को सीधे प्रश्न में पूछा जाता है। उनके विचारों को अच्छे से समझकर याद करें।

• यह घटना फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत मानी जाती है और बोर्ड परीक्षा में इसके महत्व पर सीधा प्रश्न आ सकता है। इसकी तारीख और परिणाम अच्छे से याद रखना।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर सीधे पूछा जाता है कि 1791 के संविधान का क्या महत्व था। शक्तियों के बँटवारे और घोषणापत्र का उल्लेख ज़रूर करें।

• इन प्रतीकों के नाम और उनके अर्थ सीधे-सीधे परीक्षा में पूछे जाते हैं। हर प्रतीक को उसके सही मतलब के साथ याद करना बहुत ज़रूरी है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर जैकोबिन क्लब की भूमिका, रोबेस्प्येर का नाम और 'सौं वुफलॉत' का महत्व पूछा जाता है, तो इन बिन्दुओं को अच्छे से याद रखना।

• यह हिस्सा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है। आतंक राज के दौरान रोबेस्प्येर की नीतियों और उसके अंत पर अक्सर सवाल पूछे जाते हैं, इसे अच्छे से समझना।

• डिरेक्ट्री शासन की विशेषताओं और उसकी अस्थिरता के कारणों पर आधारित प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं। नेपोलियन के उदय में डिरेक्ट्री की भूमिका को अच्छे से समझना बहुत ज़रूरी है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर महिलाओं की भूमिका और उनकी माँगो पर सीधा प्रश्न पूछा जाता है। ओलम्प दे गूश के बारे में भी पूछा जा सकता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर दास प्रथा के विभिन्न चरणों – विशेषकर जैकोबिन शासन द्वारा मुक्ति और नेपोलियन द्वारा पुनः लागू करने – के बारे में प्रश्न आते हैं। 1794 और 1848 की तारीखें याद रखना।

• यह सवाल बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है कि 'क्रांति का लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर क्या प्रभाव पड़ा?' इसमें आपको सेंसरशिप की समाप्ति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में ज़रूर लिखना है, और कैसे अखबारों व नाटकों के ज़रिए जानकारी फैली।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। नेपोलियन के योगदान (सकारात्मक और नकारात्मक दोनों) और फ्रांसीसी क्रांति की विरासत पर प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› फ्रांसीसी समाज 3 एस्टेट्स में बंटा: पादरी, कुलीन (विशेषाधिकार), तीसरा एस्टेट (कर दाता)।

› बढ़ती जनसंख्या, खाद्य महंगाई, स्थिर मज़दूरी से 'जीविका संकट' हुआ।

› मध्य वर्ग का उदय; लॉक, रूसो, मॉन्टेस्क्यू के विचार: जन्मना विशेषाधिकारों का अंत, योग्यता, सत्ता का विभाजन।

› बास्तील ध्वंस (14 जुलाई 1789) और ग्रामीण विद्रोह ने राजा को नेशनल असेंबली मानने पर विवश किया।

› 1791 संविधान: सम्राट की शक्तियाँ सीमित, विधायिका-कार्यपालिका-न्यायपालिका में बँटवारा।

› प्रतीक: पढ़े-लिखे न होने पर विचार पहुँचाने का माध्यम (साँप-सनातनता, ज़ंजीर-आज़ादी)।

› जैकोबिन क्लब: रोबेस्प्येर, सौं वुफलॉत, 1792 राजतंत्र का उन्मूलन, गणतंत्र स्थापना।

› रोबेस्प्येर के नेतृत्व में 1793-94 में कठोर दमन, गिलोटिन, सामाजिक-आर्थिक सुधार।

› जैकोबिन पतन -> डिरेक्ट्री (अस्थिर) -> नेपोलियन का उदय

› महिलाओं ने क्रांति में सक्रिय भाग लिया, राजनीतिक अधिकार माँगे, पर लंबा संघर्ष चला, 1946 में मताधिकार मिला।

› फ्रांसीसी उपनिवेशों में दास प्रथा: त्रिकोणीय व्यापार, जैकोबिन मुक्ति (1794), नेपोलियन ने पुनः शुरू, अंतिम उन्मूलन (1848)।

› क्रांति ने सेंसरशिप खत्म कर, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी, जिससे जनसंचार बढ़ा।

› नेपोलियन (1804) ने क्रांति के विचारों को फैलाया, आधुनिकीकरण किया, 1815 में हारा, पर विरासत जारी रही।